चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	27-4-24		

The Tribune

HAU gets patent for handicraft chair design

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR/KURUKSHETRA, APRIL 26

Indian Patent Office has granted registration of the design to the researchers of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University for developing the design of handicraft chair. The design of the chair was done by two research students Ayesha and Meenu Jakhar under the supervision of Director of Human Resource Management Dr Manju Mehta of the University.

Vice-Chancellor BR Kamboj said that by developing handicraft designs, students will get opportunities to progress further in this field. Kamboj noted that in the last few years, HAU had applied to the Indian Patent, Design, Trademark and Copyright Office to obtain intellectual property rights for 119 innovations.

V-C BR Kamboj with chair design team members and other officials at HAU. TRIBUNE PHOTO

Director of Human Resource Management Dr Manju Mehta said two panels have been made in the chair, which are on the left and right sides. The right panel can be used to hold tools while drawing or painting and the left panel can be used to hold drawing sheets. Both the panels are foldable which follows the principle of space management. The back support and cushioning seat protects the person from back pain and spinal cord injury. An ergonomic foot rest is provided to improve comfort when sitting for long periods of time.

Workshop on Intellectual Property Rights at NIT

A workshop on Intellectual Property Rights (IPRs) and IP management for startups to observe World Intellectual Property Day was celebrated at the National Institute of Technology, Kurukshetra, by IPR and Startup Cell of the institute under the guidance of Institute Innovation Council (IIC) on Thursday.

Professor Lalit Mohan Saini, Coordinator IPR Cell, gave detailed information about the types of IPRs, how to file a patent application in the institute and informed that till date, NIT Kurukshetra has 44 patents, out of which 12 were granted in 2023 and 20 have been granted from January to April 2024.

MDU pupils apprised of IPR's role in innovation

Intellectual property rights play an important role in promoting innovation and creativity, said Vice-Chancellor of BPSMV, Professor Sudesh, who was the chief guest at a national seminar organised at MDU, Rohtak.

In the seminar organised at the FDC Conference Hall, the speakers discussed intellectual property in detail and told the participants about copyrights, trademarks, GI tags and patents.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	27-4-24	12	2-3

बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण

एचएयू को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन करने पर मिला पेटेंट

विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर हकृवि ने अर्जित की उल्लेखनीय उपलब्धि

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कुर्सी डिजाइन टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है, जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शुक्रवार को बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र मिलने पर उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

उल्लेखनीय उपलब्धियां

हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति के लिए भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट आफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए। विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर कुलपति ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार किसी भी राष्ट्र व संस्थान की शोध गुणवत्ता, शैक्षिक स्तर का स्तंभ है। विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग तथा शोधार्थियों के रोजगार क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान है।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

यह है कुर्सी की खासियत

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजू महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जो की स्थान प्रबंधन के सिद्धांत का पालन करते हैं और अतिरिक्त जगह नहीं घेरते हैं। पीठ समर्थन और कुशनिंग सीट व्यक्ति को पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती है। लंबे समय तक बैठने पर आराम में सुधार के लिए एर्गोनॉमिक फुट रेस्ट प्रदान किया गया है। यह कार्य स्टेशन उपयोगकर्ताओं को अनुचित मुद्रा के कारण होने वाले विभिन्न मस्कुलो स्केलेटल विकारों से बचाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27-4-24	2	4-6

बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान : वीसी

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने कुर्सी के डिजाइन को पंजीकरण प्रदान किया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है।

कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र मिलने पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार किसी भी राष्ट्र व संस्थान की शोध गुणवत्ता, शैक्षिक स्तर का स्तंभ है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जोकि स्थान प्रबंधन के सिद्धांत का पालन करते हैं और अतिरिक्त जगह नहीं घेरते हैं। पीठ समर्थन और कुशनिंग सीट व्यक्ति को पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती है। लंबे समय तक बैठने पर आराम में सुधार के लिए एर्गोनोमिक फुट रेस्ट प्रदान किया है। यह कार्य स्टेशन उपयोगकर्ताओं को अनुचित मुद्रा के कारण होने वाले विभिन्न मस्कुलों स्केलेटल विकारों से बचाता है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	27-4-25	9	5-8

विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर अर्जित की उल्लेखनीय उपलब्धि

हकृवि को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन करने पर मिला पेटेंट

हिसार 26 अप्रैल (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को केंद्र सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है, जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजू महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय

हिसार में शुक्रवार को कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ कुर्सी डिजाइन टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी। -हप्र

उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जो अतिरिक्त जगह नहीं घेरते। पीठ समर्थन और कुशनिंग सीट व्यक्ति को पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती है। लंबे समय तक बैठने पर आराम में सुधार के लिए एर्गोनोमिक फुट रेस्ट प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति हेतु भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट आफिस में आवेदन किए, जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए।

विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार किसी भी राष्ट्र व संस्थान की शोध गुणवत्ता, शैक्षिक स्तर का स्तंभ है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	27-4-24	5	1-5

बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. काम्बोज

*** हकृवि को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन करने पर मिला पेटेंट कार्यालय से प्रमाण-पत्र * विश्व बौद्धिक सम्पदा अधिकार दिवस पर हकृवि ने अर्जित की उल्लेखनीय उपलब्धि**

हिसार, 26 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है। जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र मिलने पर उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ कुर्सी डिज़ाइन टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी।

उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रो. काम्बोज ने बताया कि हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति हेतु भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट आफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए। विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार किसी भी राष्ट्र व संस्थान की शोध गुणवत्ता, शैक्षिक स्तर का स्तंभ है। विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग तथा शोधार्थियों के रोजगार क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान है। किसी तकनीक को बौद्धिक संपदा अधिकार मिलने में उसकी व्यवसायिक संभावनाएं व विश्वसनियता में भी बढ़ोतरी होती है। इसलिए वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों में बौद्धिक संपदा बढ़ाने हेतु प्रयास जारी है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जो की स्थान प्रबंधन के सिद्धांत का पालन करते हैं. और अतिरिक्त जगह नहीं घेरते हैं। पीठ समर्थन और कुशनिंग सीट व्यक्ति को पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती है। लंबे समय तक बैठने पर आराम में सुधार के लिए एर्गोनोमिक फुट रेस्ट प्रदान किया गया है। यह कार्य स्टेशन उपयोगकर्ताओं को अनुचित मुद्रा के कारण होने वाले विभिन्न मस्कुलो स्केलेटल विकारों से बचाता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27-4-24	4	1-4

हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन को मिला पेटेंट

एचएयू के कुलपति ने कहा-बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान

एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज के साथ कुर्सी डिजाइन टीम के सदस्य व अन्य। स्रोत :संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता की देखरेख में दो शोध-छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है।

प्रो. कांबोज ने बताया कि एचएयू ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति के लिए भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क और कॉपीराइट ऑफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	27-4-24		

पंजाब केसरी

हकृवि को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन करने पर मिला पेटेंट

● विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर अर्जित की उपलब्धि

हिसार, 26 अप्रैल (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है। जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ कुर्सी डिजाइन टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी

उल्लेखनीय है कि हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति हेतु भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट आफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए।

कुर्सी के दो पैनल, पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए है, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ है। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जो की स्थान प्रबंधन के सिद्धांत का पालन करते हैं और अतिरिक्त जगह नहीं घेरते हैं। पीठ समर्थन और कुशनिंग सीट व्यक्ति को पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती है। लंबे समय तक बैठने पर आराम में सुधार के लिए एर्गोनोमिक फुट रेस्ट प्रदान किया गया है। यह कार्य स्टेशन उपयोगकर्ताओं को अनुचित मुद्रा के कारण होने वाले विभिन्न मस्कुलो स्केलेटल विकारों से बचाता है।

“ विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र मिलने पर उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी।

प्रो .बी .आर .काम्बोज, कुलपति हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27-4-24	4	1-2

बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कुर्सी डिजाइन टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है।

इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है। इसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर डा. अतुल ढींगड़ा, डा. एसके पाहुजा, डा. केडी शर्मा, डा. बीना यादव, डा. एमएस सिद्धपुरिया, डा. संदीप आर्य, डा. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	27.4.24	5	5-7

हकृवि को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन करने पर मिला पेटेंट

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है। जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धियां

प्रो. काम्बोज ने बताया कि हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति हेतु भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट आफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखीय उपलब्धि प्राप्त

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	26.04.2024	--	--

बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में योगदान : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है। जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र मिलने पर उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जो की स्थान प्रबंधन के सिद्धांत का पालन करते हैं और अतिरिक्त जगह नहीं घेरते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	26.04.2024	--	--

बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदानः प्रो. बी.आर. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 26 अप्रैल। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र भी मिल गया है। इसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु मेहता की देख - रेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने तैयार किया था। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हिसार स्थित विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण - पत्र मिलने पर उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति हेतु भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट ऑफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए हैं। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए। विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार किसी भी राष्ट्र व संस्थान की शोध गुणवत्ता, शैक्षिक स्तर का स्तंभ है। विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग तथा शोधार्थियों के रोजगार क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान है। किसी तकनीक को बौद्धिक संपदा अधिकार मिलने में उसकी व्यावसायिक संभावनाएं व विश्वसनीयता में भी बढ़ोतरी होती है। इसलिए वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों में बौद्धिक संपदा बढ़ाने हेतु प्रयास जारी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.4.24	08	1-4

दैनिक भास्कर

भास्कर खास • देश में 11.3 प्रतिशत हरे और 23.2 प्रतिशत सूखे चारे की कमी, अपनाना होगा विकल्प

खेजड़ी, महानीम, कचनार व सहजन हरे चारे के लिए उपयोगी पेड़

यशपाल सिंह | हिसार

चारा फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल कम होने के कारण देश में इस समय 11.3 प्रतिशत हरे व 23.2 प्रतिशत सूखे चारे की कमी है। कृषि भूमि सीमित होने के कारण चारा फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाना कठिन है परंतु चारे का वैकल्पिक स्त्रोत अगर वृक्षों को बना दिया जाए तो इसका हल निश्चित है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि पेड़ों को खेतों की मेढों पर लगाकर अथवा उन्हें कृषि वानिकी के तौर पर लेने से चारे की कमी को पूरा किया जा सकता है। वृक्ष केवल हरे चारे की ही कमी को पूरा नहीं करते बल्कि मृदा संरक्षण करने में भी सहायक होते हैं तथा कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ा कर जमीन को उपजाऊ बनाते हैं। खेजड़ी, महानीम, कचनार, नीम, कीकर, इजरायती कीकर, सीरस, सूबबुल इत्यादि हरे चारे के लिए उपयोगी वृक्ष हैं।

खेजड़ी का पेड़

खेजड़ी का वृक्ष 60 किलो तक चारा देने में सक्षम

हकृवि वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि खेजड़ी वृक्ष मरूभूमी एवं अर्धशुष्क क्षेत्रों का महत्वपूर्ण वृक्ष है। आमतौर पर खेजड़ी का एक वृक्ष 60 किलो तक चारा देने में सक्षम है। पशु इसे चाव से खाते हैं। आमतौर पर वृक्ष से एक वर्ष की अवधि में 1:4 क्विंटल फलियां प्राप्त की जा सकती हैं।

- **सुबबुलः** सुबबूल भी पशुओं का पसंदीदा चारा वृक्ष है। सुबबूल की मात्रा चारे में 30 प्रतिशत से कम रखनी चाहिए।
- **महानीमः** महानीम की पत्तियां भेड़ एवं बकरियों के चारे के लिए बेहद स्वादिष्ट व पौष्टिक हैं। एक वर्ष के अंतराल में यह वृक्ष दो बार 5-7 क्विंटल तक हरी पत्तियों का चारा प्रदान कर पाने में सक्षम है। वृक्ष की पत्तियों को सुखा कर उन्हे सूखे के समय भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

कचनारः इस वृक्ष की पत्तियां भी चारे के रूप में इस्तेमाल की जाती हैं। औसत चारे की प्राप्ति 15-20 किलोग्राम प्रति वृक्ष है। बकैन की पत्तियों को चारे के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

- **शहतूतः** शहतूत कम से कम 10 टन पत्तियां प्रति हेक्टेयर प्रतिवर्ष दे सकता है। नीम की पत्तियां भी अच्छे चारे का स्त्रोत हैं।

सहजन की पत्तियां प्रोटीन से भरपूर

चारा अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि सहजन एक उत्तम चारा वृक्ष है जिसकी प्रोटीन से भरपूर फलियों को चारे के रूप में पशुओं को खिलाया जाता है। पत्तियों को हरे चारे के रूप में पशुओं को खिलाया जाता है। इनमें पाचनशक्ति भी अधिक होती है। चारा वृक्ष सिरिस की फलियों में प्रोटीन प्रचूर मात्रा में होता है। एक वृक्ष 60 किग्रा. पत्तियां, 30 किग्रा. फूल तथा 30 कि.ग्रा. तक फलियां प्रदान करने में सक्षम है।